स्टार्टअप के माध्यम से युवाओं के सपने हो रहे हैं पूरे : गहलोत

मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट का किया वर्चुअल शिलान्यास।

जोधपुर ■ वार्ता

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं में आईटी के इस्तेमाल से लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया है और प्रौद्योगिकी पर आधारित योजनाओं और स्टार्टअप के जरिए युवाओं के सपने भी पूरे हो रहे हैं।

श्री गहलोत आज यहां राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय परिसर में राजस्थान डिजिफेस्ट एण्ड जॉब फेयर के समापन समारोह व राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 21वीं सदी के लिए जो सपना देखा था, हम उसी पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने राज्य में टैलेंट को अवसर प्रदान करना अपनी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि उन्हें राज्य के आईटी टैलेंट पर गर्व है और उनके सपनों को पूरा किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि 672.45 करोड़ रूपये की लागत से इंस्टीट्यूट तैयार होगा, जिसमें विद्यार्थियों और स्टार्टअप्स सहित युवाओं को विश्वस्तरीय मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन में सूचना प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका रही है। राज्य सरकार अपनी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए आईटी का इस्तेमाल कर रही है।

श्री गहलोत ने राजस्थान स्टार्टअप नीति-2022 का विमोचन किया। इस नीति से प्रदेश में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और निवेश क्षेत्र में भी विस्तार होगा। इसमें एससी-एसटी सहित हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों में उद्यमिता, कौशल विकास के लिए जोधपुर और पाली (वर्चुअल) में आई-स्टार्ट नेस्ट इंक्यूबेटर सेंटर का लोकार्पण किया। उन्होंने सेन्टर के नवनिर्मित भवन का अवलोकन कर युवाओं के साथ संवाद करते हुए तकनीकी जानकारी एवं उनकी भविष्य की कल्पनाओं के बारे में बातचीत की। उन्होंने सेंटर के ऑडिटोरियम में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के प्रमुख शासन सचिव अखिल अरोड़ा तथा आयुक्त श्री आशीष गुप्ता द्वारा स्टार्टअप इको-सिस्टम पर दिए गए प्रजेन्टेशन को भी देखा। इस दौरान गहलोत ने स्कूल एण्ड रूरल इनोवेशन चैलेंज के विजेताओं को 41.15 लाख रूपये के प्रतीकात्मक चैक पुरस्कार के रूप में वितरित किए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले प्रदेश के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा, बीकानेर, भरतपुर तथा चूरू में इंक्यूबेटर सेंटर स्थापित हो चुके हैं।

श्री गहलोत ने समारोह में प्रदेश के 12 स्टार्टअप्स को एक करोड़ रूपये की फंडिंग भी वितरित की उल्लेखनीय है कि आई-स्टार्ट के तहत अभी 3000 से अधिक स्टार्टअप्स रजिस्टर्ड हैं। इन्हें 30 करोड़ रूपये की राशि वितरित की गई, जिससे प्रदेश में 200 करोड़ रूपये तक का निवेश आया है। साथ ही 21 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है।

श्री गहलोत ने कहा कि जोधपुर में तीन दिवसीय जॉब फेयर में 23 हजार से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। इसमें विभिन्न कंपनियों द्वारा रोजगार के लिए 3500 से अधिक युवाओं का चयन किया गया है। यहां 9200 से अधिक युवाओं को शॉर्टलिस्ट भी किया गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। उल्लेखनीय है कि फेयर में युवाओं को लाखों रूपये के पैकेज भी दिये गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 10 लाख रूपये तक का निःशुल्क उपचार व 5 लाख रूपये तक का दुर्घटना बीमा देकर प्रदेशवासियों को आर्थिक संबल प्रदान किया गया है। साथ ही गंभीर बीमारियों में ट्रांसप्लांट का पूरा खर्च भी राज्य सरकार वहन कर रही है। प्रदेश सरकार ने राज्य कार्मिकों के हितों में मानवीय दृष्टिकोण से ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की है। आज इन दोनों ही योजनाओं की पूरे देश में चर्चा है। कई राज्यों द्वारा इन्हें लागू करने की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा के लिए लगभग 1 करोड़ लोगों को पेंशन उपलब्ध करा रही है। श्री गहलोत ने कहा कि जोधपुर में आईआईटी, एम्स, लॉ तथा आयुर्वेद यूनिवर्सिटी सहित अनेक विश्वस्तरीय संस्थान स्थापित हो चुके हैं। अब प्रदेश के युवाओं को अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ता। वहीं, राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में निःशुल्क कोचिंग सुविधा तथा राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के जरिए विदेशी में पढ़ाई का सपना पूरा हो सका है। इन योजनाओं में पूरा खर्च सरकार स्वयं वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज एवं नर्सिंग कॉलेज स्थापित हो रहे हैं। राजस्थान में 89 विश्वविद्यालय संचालित हैं।